



प्रीलमिस फैक्ट्स: 11 फरवरी, 2020

- सरस
- रेमडेसविरि
- गुरु रवदास जयंती
- सुपरकैम
- अजेय वारधिर-2020
- राष्ट्रीय कृमिमुक्ता दिवस

सरस SARAS

कोल इंडिया की प्रमुख सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (NCL) ने सरस (SARAS) नाम से एक केंद्र स्थापित किया है।

सरस (SARAS) के बारे में

- सरस (SARAS) का पूर्ण रूप 'साइंस एंड एप्लाइड रिसर्च एलायंस एंड सपोर्ट' (Science and Applied Research Alliance and Support) है।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य कंपनी की परचालन दक्षता में सुधार करना तथा इष्टतम स्तर पर संसाधनों का उपयोग करने के साथ-साथ नवाचार, R&D एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है।
- सरस खानों में कोयला उत्पादन, उत्पादकता और सुरक्षा बढ़ाने के लिये नवाचार एवं अनुसंधान के एकीकरण में कंपनी को मदद करेगा।
- इसके अलावा सरस कंपनी के परचालन क्षेत्र में एवं उसके आसपास स्थानीय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कौशल विकास तथा रोजगार पर ज़ोर देने के साथ-साथ अनुसंधान और विकास हेतु तकनीकी सहायता सुनिश्चित करने के लिये उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने में भी मदद करेगा।

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (NCL)

- भारत के कोयला उत्पादन में नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (NCL) का योगदान 15% का है तथा देश के लगभग 10% तापीय वद्युत उत्पादन में भारत सरकार की यह मनीरतन कंपनी एक अहम भूमिका निभाती है।
- यह कंपनी प्रत्येक वर्ष 100 मिलियन टन से अधिक कोयले का उत्पादन करती है तथा इसने चालू वित्त वर्ष में 107 मिलियन टन कोयले का उत्पादन करने का लक्ष्य तय किया है।

रेमडेसविरि

Remdesivir

चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका की एक एंटीवायरल प्रायोगिक दवा **रेमडेसविरि (Remdesivir)** पर पेटेंट के लिये आवेदन किया है, यह दवा नॉर्वेल कोरोनावायरस (nCoV-2019) के इलाज में मदद कर सकता है।

मुख्य बदि:

- रेमडेसविरि एक प्रायोगिक दवा है और वैश्विक स्तर पर कहीं भी इसका लाइसेंस या अनुमोदन नहीं किया गया है। अभी तक यह साबित नहीं हो पाया है कि इसका उपयोग सुरक्षित या प्रभावी है या नहीं।

- इसे वर्तमान में इबोला वायरस से संक्रमण के उपचार के लिये विकसित किया जा रहा है।
- रेम्डेसविरि और क्लोरोक्वीन (Chloroquine) में हाल ही में उभरे नॉवेल कोरोनावायरस (nCoV-2019) को प्रभावी ढंग से रोकने की क्षमता है।
 - क्लोरोक्वीन एक व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला मलेरिया-रोधी और स्व-प्रतिक्रमि रोग की दवा है जो हाल ही में एक संभावित एंटीवायरल दवा के रूप में प्रकाश में आई है।

गौरतलब है कि अब तक नॉवेल कोरोनावायरस के लिये कोई ज्ञात उपचार नहीं है और इसके लिये एक उपयुक्त एंटीवायरल दवा की आवश्यकता होती है।

गुरु रवदास जयंती

Guru Ravidas Jayanti

9 फरवरी, 2020 को देशभर में गुरु रवदास जयंती मनाई गई।

मुख्य बदि:

- हट्टि चंद्र कैलेंडर के अनुसार, माघ महीने में पूरणमा के दिन रवदास जयंती मनाई जाती है।
- गुरु रवदास 14वीं सदी के संत तथा उत्तर भारत में **भक्त आंदोलन** (Bhakti Movement) से संबंधित प्रमुख सुधारकों में से एक थे।

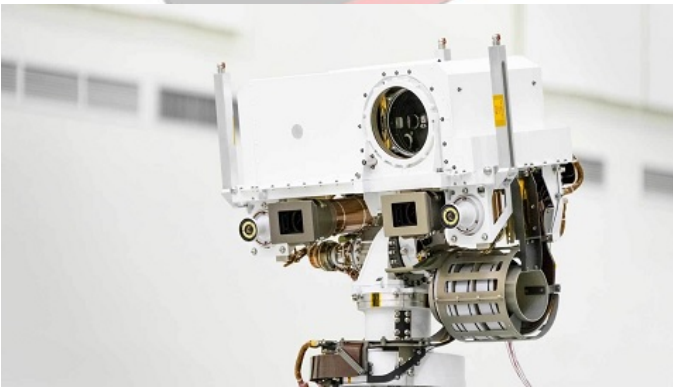
भक्त आंदोलन:

- भक्त आंदोलन का विकास तमलिनाडु में सातवीं एवं नौवीं शताब्दी के बीच हुआ।
- यह आंदोलन नयनार (शवि के उपासक) और अलवार (वशिणु के उपासक) संतों की भावनात्मक कविताओं से परिलक्षित हुआ। इन संतों ने धर्म को एक मात्र औपचारिक पूजा के रूप में नहीं बल्कि पूज्य और उपासक के बीच प्रेम पर आधारित एक प्रेम बंधन के रूप में स्वीकार किया।
- समय के साथ दक्षिण भारत में पनपे इन विचारों का उत्तर भारत में भी प्रसार हुआ।
- भक्ति विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिये स्थानीय भाषाओं का उपयोग किया गया था। भक्ति संतों ने स्थानीय भाषाओं में ही अपने छंदों की रचना की।
- भक्ति आंदोलन के दौरान धार्मिक विचारधारा के बारे में लोगों को समझाने के लिये संस्कृत में लिखे ग्रंथों का स्थानीय भाषा में अनुवाद किया गया जैसे-सूरदास, कबीरदास और तुलसीदास ने हिंदी में, ज्ञानदेव ने मराठी में, शंकरदेव ने असमिया में, चैतन्य और चंडीदास ने बंगाली में, मीराबाई ने हिंदी एवं राजस्थानी भाषा में।
- माना जाता है कि उनका जन्म वाराणसी में एक मोची परिवार में हुआ था। एक ईश्वर के प्रति उनकी आस्था और नषिपक्ष धार्मिक कविताओं के कारण उन्हें प्रमुखता मिली।
- उन्होंने अपना पूरा जीवन जातिव्यवस्था के उन्मूलन के लिये समर्पित कर दिया और खुले तौर पर ब्राह्मणवादी समाज की धारणा को समाप्त किया।
- उनके भक्ति गीतों ने भक्ति आंदोलन पर त्वरित प्रभाव डाला और उनकी लगभग 41 कविताओं को सखियों के धार्मिक ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहबि' में शामिल किया गया।

सुपरकैम

SuperCam

नासा (NASA) मार्स 2020 रोवर के लिये सात उपकरणों में एक नया लेज़र-टोटगि रोबोट सुपरकैम (SuperCam) भेजेगा।



मुख्य बडि:

- इस रोबोट का उपयोग खनजि वजिज्ञान एवं रसायन वजिज्ञान के अध्ययन के लयि कयि जतत है ।
- इस रोबोट दवारा वैजिज्ञानकिों को मंगल ग्रह पर जीवशुम खोजने में मदद मलैगी जसिसे माइक्रोबयिल जीवन के संकेतों का पता लगाया जा सकता है ।

नासा ने कुछ तथ्यों को सूचीबद्ध कयि है:

- यह रोबोट चट्टान के छोटे हसिंसों को पधिलाने के लयि 7 मीटर की दूरी से एक स्पंदति लेज़र बीम भेज सकता है जसिसे यह जानकारी मलिती है कि उस चट्टान में जीवशुम है या नहीं ।
- सुपरकैम उन चट्टानी संरचना एवं रसायनों का अध्ययन करेगा जो कई वर्षों पहले मंगल ग्रह पर जल में गठति या परिवर्तति हुए थे ।
- सुपरकैम वभिनिन चट्टानों एवं मटिटी के प्रकारों को खोजने में मदद करेगा जो मंगल ग्रह पर कई वर्षों पहले माइक्रोबयिल जीवन के संकेतों को संरक्षति कर सकते हैं ।
- आने वाले समय में खोजकर्त्ता इसकी सहायता से मंगल ग्रह की धूल में नहिति हानकिारक तत्त्वों के वषिय में भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है ।
- सुपरकैम में एक माइक्रोफोन भी शामिल है जसिकी सहायता से वैजिज्ञानकि हर बार लेज़र बीम के चट्टान से टकराने की ध्वनि सुन सकेंगे ।
 - गौरतलब है कि लेज़र बीम के लक्ष्य से टकराने से नकिलने वाला पॉपगि साउंड चट्टान के भौतिक गुणों के आधार पर आसानी से परिवर्तति हो जाता है ।

अजेय वारयिर-2020

AJEYA WARRIOR-2020

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास अजेय वारयिर-2020 (AJEYA WARRIOR-2020) का पाँचवां संस्करण 13-26 फरवरी, 2020 के मध्य यूनाइटेड किंगडम के सेलसिबरी मैदान में आयोजति कयि जाएगा ।

उद्देश्य: इसका उद्देश्य शहरी तथा अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में वदिरोह तथा आतंकवादी क्रयिकलापों के खलिफ कार्यवाही करने हेतु संयुक्त सामरिक स्तर पर अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ावा प्रदान करना है ।

मुख्य बडि:

- यह अभ्यास दो साल में एक बार (बारी-बारी से एक बार भारत में तथा एक बार यूनाइटेड किंगडम में) आयोजति कयि जाता है ।
- इसमें सैन्य अभ्यास के दौरान आधुनकि हथयार प्रणाली, उपकरण एवं समियुलेटर प्रशकिषण की योजना बनाई गई है ।
- इस अभ्यास के अंतर्गत दोनों देशों की सेनाओं द्वारा आपसी कौशल में वृद्धि करने तथा अनुभवों के आदान-प्रदान पर बल दयि जाता है ।
- इस सैन्य अभ्यास दवारा भारत और यूनाइटेड किंगडम की सेनाओं के बीच सकारात्मक सैन्य संबंधों को स्थापति करने तथा बढ़ावा देने का प्रयास कयि जाता है ।

राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस

National Deworming Day

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थय एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (Ministry of Health & Family Welfare) ने 30 करोड़ बच्चों और कशोर-कशोरयिों को लाभान्वति करने के लयि राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस (National Deworming Day) का 10वाँ चरण आयोजति कयि ।



National Deworming Day

(10th February, 2020)

मुख्य बडि:

- कृमिमुक्तिदिवस वर्ष में दो बार 10 फरवरी और 10 अगस्त को सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में मनाया जाता है।
- इस अभियान के तहत सरकारी स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, आँगनवाड़ियों, नर्सिंग स्कूलों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों में 1-19 वर्ष की आयु के बच्चों और कशोर-कशोरियों को कृमि से बचाव हेतु सुरक्षित दवा अलबेंडेज़ोल (Albendazole) दी जाती है।
- उद्देश्य: इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मटिटी के संक्रमण से आंतों में उत्पन्न होने वाले परजीवी कृमि को खत्म करना है।
- राष्ट्रीय कृमिनिवारण दिवस सभी स्वास्थ्य कर्मियों, राज्य सरकारों और दूसरे हितधारकों को मटिटी-संचारित कृमि संक्रमण के खत्म के लिये प्रयास करने हेतु प्रेरित करता है।
 - वशिव स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization) की वर्ष 2017 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 14 वर्ष से कम आयु के लगभग 22 करोड़ से अधिक बच्चों को मटिटी-संचारित कृमि संक्रमण का खतरा है।
- कृमिमुक्ति अभियान वर्ष 2015 में शुरू किया गया था। अब तक इसके नौ चरण पूरे हो चुके हैं, यह 10वाँ चरण है। इस वर्ष 19 राज्यों की 9.35 करोड़ आबादी तक पहुँचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (Ministry of Women and Child Development) और मानव संसाधन विकास मंत्रालय (Ministry of Human Resource Development) के सहयोग से कार्यान्वित राष्ट्रीय कृमिनिवारण दिवस का मुख्य लक्ष्य एनीमिया मुक्त भारत का निर्माण करना है। इस मशिन की सफलता और प्रभाव स्वच्छ भारत मशिन के अनुरूप है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-11-february-2020>

